

विवाहित जीवन की सार्थकता और
 महत्व पर प्रकाश डालते हुए सतगुरु
 माता जी ने कहा कि यह समारोह केवल
 एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि
 प्यार, सम्मान और सहयोग से भरी
 पवित्र मिशन का प्रतीक है। विवाहित
 जीवन में यह बराबरी और संश्लेषण का
 संदेश देता है, जिस प्रकार लाखों में
 भी बताया गया है, यदि आध्यात्मिक
 प्रयास में किसी का योगदान कम हो,
 तो दूसरा उसे प्रोत्साहित करे, जिससे
 जीवन की यात्रा संतुलन और सामंजस्य
 के साथ आगे बढ़े।